खबर संक्षेप

उत्कृष्ट कार्य करने पर ग्राम पंचायत जिला स्तर से होंगी सम्मानित

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आंनद ने समस्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत ग्राम पंचायतो को प्राप्त लक्ष्य के अनुसार हितग्राही को सभी किशत की राशि एवं मजदूरी की राशि जारी करते हुए शत-प्रतिशत आवासो को गुणवत्तायुक्त निर्माण कराते हुए आवास पोर्टल पर अपलोड करा देने वाली ग्राम पंचायतो को स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2025) के अवसर पर जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

जिला स्तरीय समिति ने वन स्टॉप सेन्टर का किया त्रैमासिक निरीक्षण

शहडोल। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधान अनुसार अपर कलेक्टर सरोधन सिंह की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति द्वारा जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं शासकीय बालिका सम्प्रेक्षण गृह, शिवालय शिशु गृह एवं वन स्टॉप सेन्टर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर ने संस्थाओं में निवासरत बच्चों से संवाद कर संस्थाओं में मिल रहीं सुविधाओ के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर समिति के सदस्य, डॉ. गंगेश टांडिया, बाल कल्याण समिति के सदस्य अभिषेक चौकसे, जिला बाल संरक्षण अधिकारी अखिलेश मिश्रा, एनजीओ से श्रीमती राखी शर्मा एवं श्रीमती पुष्पा द्विवेदी उपस्थित रहें।

एक स्थान कई समाधान का सीईओ जिला पंचायत द्वारा किया गया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद ने आजीविका भवन जनपद पंचायत गोहपारू में बनाए गए आजीविका परामर्श केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही सीईओ जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद द्वारा निरीक्षण किया गया। इस भवन के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाओं को एक स्थान कई समाधान की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। विभिन्न विभागों से समन्वय कर उन्हें लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत द्वारा आशा संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारियों, सीआरपी दीदियों से परिचय प्राप्त कर उनके द्वारा संचालित गतिविधियों तथा आजीविका सफर के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई, साथ ही विभिन्न गतिविधियों से प्राप्त हो रहे लाभों की भी जानकारी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा दी गई। उन्होंने समूह की महिलाओं से स्थानीय संभावनाओं के आधार पर गतिविधियों के चयन के संबंध में जानकारी ली। आशा संकुल स्तरीय संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नागमती सिंह, श्रीमती श्यामकली सिंह सचिव तथा सीआरपी दीदियों ने भी अपने आजीविका संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी। परियोजना प्रबंधक अजय सिंह द्वारा आजीविका मिशन की रूप रेखा एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सीईओ जनपद पंचायत वेदमणि मिश्रा, जिला प्रबंधक विनोद सिंह, सहायक जिला प्रबंधक राजेश पाण्डेय सहित स्व सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया।

नर्स को दी टुकड़े-टुकड़े कर देने की धमकी, हुई शिकायत

डॉक्टर साहब का गुस्सा टिटनेस से ज़्यादा तीखा

शहडोल। जिले के बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर साहब का व्यवहार इलाज से ज़्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। एक मामूली इंजेक्शन विवाद में डॉक्टर अनुराग पाण्डेय ने स्टाफ नर्स नेहा पाण्डेय को भरी ड्यूटी के दौरान जान से मारने की धमकी दे डाली। मरीजों की मौजूदगी में अस्पताल का इंजेक्शन रूम गालियों और धमकियों से गूंज उठा। अब सवाल है कि मरीज पहले अपना इलाज कराएं या डॉक्टर की मानसिक स्थिति का?

इंजेक्शन की बहस और इज़्ज़त की फजीहत

25 जुलाई की सुबह बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर थीं स्टाफ नर्स नेहा पाण्डेय और चिकित्सक अनुराग पाण्डेय। दिन के 11:30 बजे एक मरीज, जिसे कुत्ते ने काट लिया था, अस्पताल पहुंचा। रैबीज का इंजेक्शन दिया जा चुका था, पर डॉक्टर साहब ने अतिरिक्त सुझाव देते हुए मरीज की सहयोगी को कहा कि टिटनेस का भी इंजेक्शन लगवा लें। सहयोगी महिला टिटनेस के लिए स्टाफ नर्स के पास पहुंची। नर्स ने जानकारी दी कि रैबीज के बाद टिटनेस आवश्यक नहीं होता, लेकिन यदि डॉक्टर कह रहे हैं तो बाहर से इंजेक्शन लेकर आ जाएं, वो लगा देंगी। इस सामान्य सी बात पर मामला तूल पकड़ गया।

तेरे को टुकड़ों में काट दूंगा

नेहा पाण्डेय ने डॉक्टर से कहा कि जब अस्पताल में टिटनेस इंजेक्शन आता ही नहीं, तो स्टाफ पर क्यों दबाव बनाया जाता है कि मरीज को '10 नंबर में लगवा लो'। इसी सवाल ने डॉक्टर साहब की चिर-परिचित गरिमा को घायल कर दिया। थोड़ी ही देर में डॉक्टर अनुराग पाण्डेय गुस्से में इंजेक्शन रूम पहुंचे और वहां मरीजों के सामने स्टाफ नर्स पर गालियों की बरसात शुरू कर दी। तू अपने आप को क्या समझती है? मैं तुझे छोटे-छोटे टुकड़े में काट कर फेंक दूंगा, घसीट-घसीट कर मारूंगा।

यह सुनकर इंजेक्शन रूम मरीजों के लिए कम, थ्रिलर मूवी का सेट ज़्यादा लगने लगा। जो इंजेक्शन के डर से कांप रहे थे, अब डॉक्टर के व्यवहार से थर-थराने लगे।

ड्रिंक-ड्यूटी और दादागीरी

स्टाफ का आरोप है कि डॉक्टर अनुराग पाण्डेय अक्सर नशे की हालत में ड्यूटी करते हैं और स्टाफ के साथ अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं। अस्पताल में दवाओं की कमी तो है ही, लेकिन अब शिष्टाचार और मानसिक स्थिरता की भी किल्लत है। बुढ़ार अस्पताल में अब यह तय करना मुश्किल हो गया है कि कौन इलाज कर रहा है और कौन संकट फैला रहा है। मरीजों की तुलना में स्टाफ ज़्यादा तनाव में है।

प्रशासन की 'इमरजेंसी नींद' टूटी

डॉ. नेहा पाण्डेय ने घटना की शिकायत थाना प्रभारी सहित खण्ड चिकित्सा अधिकारी से की, हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया, वहीं मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित प्रकाश चौधरी ने भी पूरे मामले की जानकारी पत्र के माध्यम से उच्च अधिकारियों को दी। पत्र में उल्लेख किया गया कि डॉक्टर अनुराग ने समस्त मरीजों के सामने जान से मारने की धमकी दी और नर्स के साथ अशोभनीय व्यवहार किया। पूरे स्टाफ ने भी लिखित में इस घटना की पुष्टि की है। अब मामला उच्चाधिकारियों के पास है और सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन डॉक्टर की 'जुबानी गोलीबारी' को गंभीरता से लेता है या कागज़ों में जख्म भर देता है।

डॉक्टर साहब, पहले अपना चेकअप करवा लीजिए

इस पूरे घटनाक्रम ने बुढ़ार अस्पताल की व्यवस्था को आईना दिखा दिया है। जहां डॉक्टर खुद 'इलाज' से ज़्यादा 'इल्ज़ाम' में लिप्त हों, वहां मरीज का क्या होगा? एक तरफ देश में महिला सुरक्षा और कार्यस्थल पर सम्मान की बातें होती हैं, वहीं बुढ़ार जैसे अस्पताल में महिला स्टाफ जान से मारने की धमकियों के बीच काम कर रही हैं। डॉक्टर साहब का यह 'मूड स्विंग' अगर किसी दिन मरीजों पर फट पड़ा, तो क्या होगा? इस बात पर विचार होना चाहिए कि क्या डॉक्टर बनने के बाद मानवीयता का टीका लगाना अनिवार्य नहीं है? क्या वर्दी और डिग्री का मतलब ये है कि कोई भी स्टाफ को डराकर काम करवा सकता है?

स्कूल की छत गिरी, बाल-बाल बचे बच्चे

जर्जर भवन की शिकायत के बावजूद विभाग रहा बेपरवाह

सेहराटोला प्राथमिक विद्यालय में हादसा, अभिभावकों में आक्रोश

शहडोल। जिले के सोहागपुर जनपद के ग्राम पंचायत बोडरी के अंतर्गत सेहराटोला स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा में पढ़ाई के दौरान स्कूल की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर पड़ा। हादसे के समय कक्षा में बच्चे और शिक्षक मौजूद थे। सौभाग्य से किसी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन यह घटना शिक्षा विभाग की लापरवाही और सरकारी भवनों की बदहाली का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है।

पहले ही दी जा चुकी थी चेतावनी

विद्यालय भवन का निर्माण वर्ष 1999-2000 में किया गया था और अब यह लगभग 25 वर्ष पुराना हो चुका है। भवन की छत और दीवारों में दरारें पड़ चुकी थीं, जिसकी जानकारी बीते वर्ष विद्यालय के शिक्षक अमर पटेल ने विभागीय अधिकारियों को लिखित में दी थी। शिक्षक ने चेतावनी दी थी कि भवन में पढ़ाई बच्चों की जान को खतरे में डाल सकती है। इसके बावजूद न तो किसी प्रकार का मरम्मत कार्य कराया गया और न ही किसी वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की गई।

पढ़ाई के दौरान हुआ हादसा

हादसे के वक्त स्कूल में कक्षा चल रही थी।

अचानक तेज आवाज के साथ छत का प्लास्टर गिरा, जिससे बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। कई बच्चे रोने लगे और शिक्षकों ने तत्काल उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन बच्चों के मन में गहरा डर बैठ गया है। घटना के बाद कई अभिभावक स्कूल पहुंच गए और उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। एक अभिभावक ने कहा हम अपने बच्चों को शिक्षा के लिए भेजते हैं, लेकिन यहां तो जान पर बन आई है। अगर आज कोई बड़ा हादसा हो जाता, तो इसका जिम्मेदार कौन होता?

कक्षाएं होंगी निजी भवन में स्थानांतरित

घटना की जानकारी मिलते ही बीआरसी सोहागपुर महेंद्र कुमार मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और निर्देश जारी किए कि विद्यालय की कक्षाएं तत्काल प्रभाव से किसी सुरक्षित निजी भवन में संचालित की जाएं। उन्होंने कहा कि 'बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। जब तक भवन की स्थिति दुरुस्त नहीं होती, तब तक विद्यालय की कक्षाएं निजी भवन में ही चलाई जाएंगी।'

नियमित निरीक्षण का अभाव बना खतरा

इस घटना ने एक बार फिर सरकारी स्कूल भवनों की हालत और शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई विद्यालय ऐसे हैं जहां जर्जर भवनों में पढ़ाई हो रही है, और संबंधित अधिकारी वर्षों से निरीक्षण के नाम पर केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। सेहराटोला प्राथमिक विद्यालय की यह घटना एक चेतावनी है कि यदि समय रहते विभागों ने गंभीरता नहीं दिखाई, तो भविष्य में कोई भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए विभाग को जिम्मेदारी से कार्य करना होगा, न कि सिर्फ कागजी कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेनी चाहिए।

विश्व ओआरएस दिवस पर निकलेगी जागरूकता रैली

शहडोल। गर्मी और बरसात के मौसम में डायरिया व लू जैसी बीमारियों से बचाव के सबसे प्रभावी उपाय ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विश्व ओआरएस दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली 29 जुलाई मंगलवार को शाम 5 बजे जयस्तंभ चौक से गांधी चौक तक निकाली जाएगी। आयोजन में डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। रैली का उद्देश्य आमजन को यह संदेश देना है कि ओआरएस एक छोटा सा पैकेट होते हुए भी जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। यह सस्ता, प्रभावशाली और घर पर ही आसानी से उपयोग किया जा सकने वाला समाधान है। डायरिया व लू के कारण शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न होती है। ऐसे समय में ओआरएस बेहद जरूरी होता है।

दुखद तथ्य यह है कि आज भी समाज का एक बड़ा हिस्सा ओआरएस के महत्व से अनभिज्ञ है। इसी कारण इस रैली के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे डायरिया से होने वाली बीमारियों और बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

रैली के प्रमुख उद्देश्य

ओआरएस के प्रति समाज में जागरूकता लाना
डायरिया और डिहाइड्रेशन की रोकथाम
बच्चों की मृत्यु दर को कम करना

हर गांव और मोहल्ले तक ओआरएस का संदेश पहुँचाना

इस आयोजन में विशेष सहयोग शहडोल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, सांझी रसोई (मीट एक साथी सोशल सर्विसेस की इकाई), दिशा वेलफेयर एसोसिएशन, रोटरी क्लब विराट शहडोल एवं रोटरी इनर व्हील शहडोल द्वारा दिया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जागरूकता अभियान में भाग लें, ह्रक्रस् के महत्व को समझें और दूसरों को भी इसके प्रयोग के लिए प्रेरित करें।

बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान धराशाई

शहडोल। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। सोहागपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत हर्री के कुदरा टोला में शनिवार को एक कच्चा मकान धराशाई हो गया। खबर है कि श्याम सुंदर यादव पिता चरकु यादव का कच्चा मकान तेज बारिश की वजह से पूरी तरह से ढह गया। श्याम सुंदर ने बताया कि वह सुबह खाना बनाकर गांव की ओर गया था, वापस लौटने पर देखा कि उसका मकान पूरी तरह से धराशाई हो चुका था। घटना की सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय पंचायत को दी है। हालांकि, इस घटना में जनहानि की कोई खबर नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित को आपदा राहत मद से मुआवजा एवं पुनर्वास की उचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। वहीं क्षेत्र में अन्य कई कच्चे मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है, जिन्हें लेकर ग्रामीणों में चिंता व्याप्त है। लगातार बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ती जा रही है और आवश्यक है कि प्रशासन स्थिति का तत्काल संज्ञान लेकर राहत कार्यों में तेजी लाए।

सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें

शहडोल। जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है, पिछले 12 घण्टे से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश हो रही है, बारिश के कारण नदी, नाले उफान पर है या जल से स्तर लगातार बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने संयुक्त अपील के माध्यम से आमजन से अपील की है कि जब तक जरूरी नहीं हो तब तक अपने घरों में ही रहें। नदी, नालों या अन्य जलस्रोतों के पास नहीं जाएं, या दूर ही रहे, पानी अधिक होने की स्थिति में न तो स्वयं और न ही दूसरों को वाहन पास करने के लिए प्रोत्साहित करें। जल स्त्रोतों के आसपास सेल्फी आदि नहीं लें। सावधानियां अपनाकर अपने आपको सुरक्षित रखें।

पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सडक़ के ऊपर से बहते पानी को पार ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों, पुराने व कमजोर मकानों में न रहें, प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट पर ध्यान दें व निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष या निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को तुरंत सूचित करें। प्रशासन सतर्क है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। जनता से सहयोग की अपेक्षा करते हुए सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

विद्यालय प्राचार्य को दी जान से मारने की धमकी, एफआईआर की मांग

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र स्थित विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल में शुक्रवार को उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब एक अभिभावक ने विद्यालय प्राचार्य को जान से मारने की धमकी दे दी। प्राचार्य की ओर से थाना ब्यौहारी में इस घटना को लेकर शिकायत पत्र सौंपा गया है, जिसमें दोषी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। प्राचार्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुदरिया निवासी अभिषेक तिवारी पिता मयंक तिवारी 26 जुलाई को दोपहर लगभग 2 बजे विद्यालय पहुंचे। वे अपने बेटे दिव्यांश तिवारी का पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलाने के लिए आए थे। इससे पूर्व उन्होंने 25 जुलाई को 181 जनसुनवाई पोर्टल पर एक शिकायत दर्ज कराई थी।

प्राचार्य ने अभिभावक को स्पष्ट किया था कि यदि आप अपने बच्चे का नियमित उपस्थिति के लिए शपथ पत्र प्रवेश फॉर्म के साथ संलग्न करते हैं तो पुनः प्रवेश संभव है। हालांकि, अभिषेक तिवारी द्वारा पहले टीसी (स्थानांतरण प्रमाणपत्र) प्राप्त कर लिया गया था

और बच्चे को स्कूल से निकाल लिया गया था। बावजूद इसके, जब 26 जुलाई को विद्यालय द्वारा यह कहा गया कि पूर्व में की गई निराधार शिकायत को हटवाइए, तो अभिषेक तिवारी उत्तेजित हो गए, गाली-गलौज करने लगे और प्राचार्य को धमकी देने लगे। शिकायत पत्र के अनुसार अभिषेक तिवारी ने प्राचार्य कक्ष में घुसकर जान से मारने की धमकी दी और कहा कि 'बाहर निकलो, मैं बताता हूं। विद्यालय प्रबंधन का आरोप है कि आरोपी दादा गिरी और दबाव के जरिए स्कूल में बच्चे का प्रवेश कराना चाहते हैं। साथ ही, उनका यह भी कहना है कि आरोपी अन्य अज्ञात लोगों को विद्यालय भेजकर प्राचार्य और शिक्षकों को

धमकाने का प्रयास कर रहा है, जिससे विद्यालय स्टाफ को जानमाल का खतरा बना हुआ है। विद्यालय प्रशासन ने थाना ब्यौहारी से आग्रह किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे विद्यालय का वातावरण सुरक्षित एवं सुचारू रूप से संचालित रह सके। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया है कि शिकायत की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सेना के अदम्य साहस, युद्ध नीति और शौर्य का प्रतीक है यह दिनः अमिता

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया गया नमन, भूतपूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

शहडोल। देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों की स्मृति में हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाने वाला कारगिल विजय दिवस शनिवार को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह एवं नगर अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने सिटी कोतवाली स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। शहीदों को नमन करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि कारगिल युद्ध भारत के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है, जिसमें देश के वीर जवानों ने दुर्गम पहाड़ियों पर लड़ते हुए दुश्मन को पीछे धकेला और विजय प्राप्त की। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं ज्येष्ठ कार्यकर्ता गण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर सपूतों की स्मृति में श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भूतपूर्व सैनिकों का भी सम्मान किया। शाल और श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर देवेंद्र सोनी के निवास पर पहुंचकर उनकी माता-पिता को सम्मानित किया गया एवं परिवार से मुलाकात कर उनकी कुर्बानी को नमन किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने कहा हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाने का उद्देश्य केवल शहीदों को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि देशभक्ति की भावना को जागृत और मजबूत करना भी है। यह दिन भारतीय सेना के अदम्य साहस, कुशल रणनीति, वीरता और पराक्रम का प्रतीक है। पूरा देश आज उन वीरों को नमन कर रहा है जिन्होंने मुल्क की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

वहीं विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा, कारगिल युद्ध 1999 में लगभग 60 दिनों तक चला था, जिसमें भारतीय सेना ने टाइगर हिल, तोलोलिंग और अन्य महत्वपूर्ण पहाड़ियों पर पुनः कब्जा कर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। इस दिन हम शहीदों की बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हैं। ये वीर हमेशा हमारी प्रेरणा रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रभक्ति का माहौल चारों ओर बना रहा। कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भी इस दिन को श्रद्धापूर्वक मनाते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कारगिल विजय दिवस केवल युद्ध की जीत का दिन नहीं है, बल्कि यह उन अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है, जिनके बलिदान से देश की अखंडता और स्वाभिमान कायम है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर जागरूकता शिविर आयोजित

जयसिंहनगर। शासकीय पंडित अटल बिहारी वाजपेयी महाविद्यालय में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामोद्योग विकास योजना आयोज, भोपाल द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि रामनारायण पांडेय, जागेश्वर सिंह, अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती जयश्री कचेर (भाजपा मंडल अध्यक्ष), दीपक केशवानी और अनुपम द्विवेदी उपस्थित रहे।इस जागरूकता शिविर में महाविद्यालय के सभी स्नातक छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्राम से आई महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ताओं में भोपाल से पधारे श्री जागेन्द्र सिंह (सहायक निर्देशक, खादी ग्रामोद्योग, भोपाल) और रामकुमार सिंगौर (निर्देशक, ग्रामीण विकास एवं महिला उत्थान संस्थान, मंडला) उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसरों को विस्तार से समझाया।वक्ताओं ने अगरबत्ती निर्माण, दोना-पत्तल निर्माण, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, लेदर व लकड़ी से संबंधित उत्पाद निर्माण जैसी गतिविधियों के लिए उपयोगी मशीनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये मशीनें

योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले युवाओं, महिलाओं एवं युवतियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। जबकि एससी/एसटी वर्ग के ऐसे व्यक्ति जो गरीबी रेखा से ऊपर हैं, उन्हें मशीन की लागत का 10 प्रतिशत, और ओबीसी एवं सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 20 प्रतिशत अंशदान करना होगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि कैसे युवा इस योजना से जुडक़र लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना कर स्वरोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकते हैं। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम का सफल संचालन पवन तिवारी (परामर्शदाता, जन अभियान परिषद) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, साथ ही जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुभाष बंशकार, रमेश परस्ते, हरिशंकर द्विवेदी, श्रीमती गीता केवट सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। यह जागरूकता शिविर विद्यार्थियों और ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। प्रतिभागियों ने भी कार्यक्रम की उपयोगिता की सराहना करते हुए भविष्य में इससे जुडने की इच्छा व्यक्त की।

खबर संक्षेप

जजेस कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में जजेस कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय उमरिया के समस्त न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी उमरिया, न्यायालय के समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के कर्मचारीगण, पैरालीगल वॉलेन्टियर आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विधिक सेवा, प्रकृति की रक्षा आदि के बारे विचार-विमर्श किया गया।

ह्यूमन कैपिटल फॉर विकसित भारत थीम पर कार्यशाला संपन्न

उमरिया। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली मुख्य सचिव कान्फ्रेंस को लेकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था डाइट उमरिया में विगत दिवस कार्यशाला का आयोजन ह्यूमन कैपिटल फार विकसित भारत थीम पर किया गया। जिसके तहत शिक्षा के विभिन्न आधारभूत आयामों पर फीडबैक नोट तैयार किया गया। कार्यशाला में जिला षिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, डाइट फैकल्टी से विनोद मरावी , डीपीसी के के डेहरिया, डाइट प्राचार्य पीसी भट्ट, सुशील मिश्रा, डॉ. बृजेष शर्मा, विकासखंड अधिकारी करकेली, जिला समन्वयक नव भारत साक्षरता संतोष गौतम , एपीसी , कमलेष पांडेय, सहित तीनों विकासखंडों के बीआरसी , संकुल प्राचार्यो व्दारा शिक्षा के विभिन्न आयामो चुनौतियो एवं रणनीति पर चर्चा की गई। षिक्षा विद व्दारा चुनौतियों पर विचार रखा गया तत्पष्चात कार्यशाला में निर्धारित विषयो पर चिंतन व मनन कर फीड बैक तैयार किया गया।

ओवरमैन, माइनिंग सरदार व सर्वेयर की कमी को जल्द दूर करेगी कोल इंडिया

राजनगर। एसईसीएल, बीसीसीएल, इसीएल व सीसीएल समेत कोल इंडिया व उसकी अनुषंगी कंपनियों में ओवरमैन, माइनिंग सरदार व सर्वेयर के रिक्त पदों को जल्द भरा जायेगा। इस दिशा में कोल इंडिया प्रबंधन ने पहल शुरू कर दी है। कोल इंडिया ने एसईसीएल, बीसीसीएल, इसीएल, सीसीएल समेत अपनी अन्य अनुषंगी कंपनियों को पत्र जारी कर वैधानिक जनशक्ति की कमी को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए हैं। इस आलोक में जारी अधिसूचना के मुताबिक कोल इंडिया ने अनुषंगी कंपनियों से अनुरोध किया है कि वे अपने स्तर पर वैधानिक पदों की पूर्ति के लिए एक समुचित कार्य योजना तैयार कर 26 जुलाई तक मुख्यालय को भेजना था। यह योजना उच्च अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी, ताकि मैनपावर के संकट को दूर किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, वैधानिक कर्मियों की कमी से खनन कार्यों की सुरक्षा और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

युवक ने फांसी लगा कर दी जान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत गढ़ी गांव में रहने वाले मुकेश नारायण साहू 30 वर्ष के द्वारा अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर जान देने का मामला सामने आया है। युवक के द्वारा फांसी लगाकर जान देने की खबर से पूरे गांव में तेजी से फैल गई। बताया जा रहा है कि मृतक गुरुवार की रात को घर के कमरे में फांसी लगा लिया। परिजनों द्वारा शव देखे जाने के बाद सूचना थाना में दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पहुंच शव पंचनामा की कार्यवाही करते हुए मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मौत का कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

जनभागीदारी और संवाद ने बढ़ाया विश्वास का वातावरण

युवाओं के भविष्य के लिए घातक है नशाः शरद

प्रेरक प्रस्तुतियों और अधिकारियों के संदेशों से मिला सामाजिक संदेश

ब्यौहारी। सजग और नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत 26 जुलाई को एक संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, नशा मुक्ति और पुलिस-जन संवाद को सशक्त बनाना रहा। जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह आयोजन सामाजिक चेतना और प्रेरणा का प्रभावशाली मंच बना।

नगर के शिवालय मैरिज गार्डन में सजग और नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत एक भव्य संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, नशा मुक्ति और समाज में पुलिस व आमजन के बीच संवाद को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी भागीदारी रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर सजगता लाना था। साथ ही नशे के दुष्परिणामों से युवा पीढ़ी को अवगत कराते हुए, उन्हें सही दिशा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। समाज और पुलिस के बीच संवाद बढ़ाने को लेकर भी विशेष प्रयास किए गए।

नाट्य प्रस्तुति और गीतों ने दिया गहरा संदेश

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसके उपरांत अथर्व पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने नारी सुरक्षा एवं नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता गीत और नाट्य प्रस्तुति की। इन रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध एक सशक्त संदेश दिया गया और बालिकाओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की प्रेरणा दी गई।

नेताओं और अधिकारियों ने रखे विचार

विधायक शरद कोल ने कहा कि आज की बालिकाएं समाज का भविष्य हैं। उनके आत्मविश्वास, सुरक्षा और सशक्तिकरण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने नशे को युवाओं के भविष्य के लिए घातक बताते हुए इससे दूरी बनाए रखने की सलाह दी। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि शहडोल पुलिस बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सजग नागरिकों की भागीदारी से ही एक सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

प्रेरणादायक रहा वर्षा बैगा का संघर्ष

कार्यक्रम में महिला थाना शहडोल की उपनिरीक्षक श्रीमती वर्षा बैगा ने अपने जीवन के संघर्षों की प्रेरणादायक कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कठिन परिस्थितियों में उन्होंने आत्मनिर्भरता और शिक्षा के बल पर आगे बढने का रास्ता बनाया। यह प्रस्तुति विशेष रूप से बालिकाओं और महिलाओं के लिए उत्साहवर्धक रही।

खुले मंच से सवाल-जवाब से बढ़ा विश्वास

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों ने खुलकर पुलिस अधीक्षक से सवाल पूछे। इन सवालों के उत्तर बेहद सरल, व्यवहारिक और प्रेरणास्पद उदाहरणों के साथ दिए गए, जिससे जनमानस में पुलिस के प्रति विश्वास और संवाद का माहौल बना। कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सामाजिक चेतना के निर्माण में अत्यंत उपयोगी हैं और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता बनी रहेगी।

सभी वर्गों की भागीदारी रही सराहनीय

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक शरद कोल, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा, थाना प्रभारी अरुण पांडेय समेत कई प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त लगभग 700 से अधिक छात्र-छात्राएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम में जनसहभागिता की व्यापक झलक देखने को मिली।

आयुष्मान उमंग स्कूल हैल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। आयुष्मान उमंग स्कूल हैल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग हेतु भानु प्रताप सिंह एवं जिला उमंग प्रशिक्षक स्कूल शिक्षा विभाग सुश्री नीलम दुबे द्वारा स्कूलों में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग की गई जिसके अंतर्गत बच्चों से दस जीवन कौशल जैसे संवाद कौशल, स्व जागरूकता, तनाव का सामना, निर्णय लेना आदि की जानकारी ली गई। बच्चों को उमंग हेल्पलाइन, चौट बोट, मन हित ऐप 14416 हेल्पलाइन उमंग कॉर्नर का निरीक्षण किया गया जिला समन्वय बुधराम राहंगडाले द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां मन क्लिनिक एवं उमंग स्वास्थ्य क्लीनिक पर सेवाओ पर चर्चा की गई । टीम द्वारा एक्सीलेंस स्कूल उमरिया ,शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल चंदिया ,बालक एवं बालिका, शासकीय हाई स्कूल लोढ़ा ,शासकीय हाई स्कूल पिपरिया, शासकीय सी एम राइस स्कूल करकेली, शासकीय हाई स्कूल निपानिया ,शासकीय हाई स्कूल पिपरिया एवं विकासखंड पाली के स्कूलों का भ्रमण किया गयाउक्त गतिविधि में स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सदस्यता सत्यापन में फिर बना नंबर 1 बना बीएमएस

हरिभूमि न्यूजजमुना/बदरा। जमुना-कोतमा क्षेत्र के श्रमिकों ने एक बार फिर अपने जनाधार से यह सिद्ध कर दिया कि उनका भरोसा केवल उस संगठन पर है जो जमीन से जुड़ा है, संघर्ष करता है और हमेशा श्रमिकों की आवाज़ को बुलंद करता है। वर्ष 2025 के श्रमिक सदस्यता सत्यापन में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने शानदार जीत दर्ज की है और एक बार फिर सर्वाधिक 1040 सदस्यताओं के साथ नंबर एक की कुर्सी पर अपना परचम लहराया है। प्रतिस्पर्धा में एचएमएस को 806, इंटक को 308, एटक को 176 और नोटा (कोई नहीं) को 111 वोट प्राप्त हुए। इन आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया कि बीएमएस न केवल मज़दूरों की पहली पसंद है, बल्कि उनके दिलों में गहराई से रचा-बसा संगठन है। इस जीत पर भारतीय मजदूर संघ जमुना-कोतमा अपना क्षेत्र के अध्यक्ष विजय सिंह और महामंत्री रोशन उपाध्याय ने समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा, “यह जीत केवल बीएमएस की नहीं, बल्कि हर उस श्रमिक की है जो अपने अधिकारों के लिए एकजुट होता है हम आपके विश्वास को ताकत में बदलेंगे, और एक-एक मुद्दे पर मज़बूती से खड़े रहेंगे।

अमरकंटक में 6 करोड़ की लागत से बने मार्ग में तकनीकी खामियां उजागर

छात्रों पर गिरता गंदा पानी, नन्हे कदमों की राह हुई मुश्किल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक की नगर परिषद सीमा के अंतर्गत आने वाला नाका चौराहा (दीनदयाल चौराहा) एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तथा शिव गोपाल आश्रम के सामने का प्रमुख मार्ग इन दिनों जलभराव और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। मामूली वर्षा के बाद भी इस मार्ग पर एक फीट तक पानी भर जाता है, जिससे दोपहिया वाहनों, राहगीरों और विशेष रूप से स्कूली छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नन्हे कदमों की राह हुई मुश्किल

विद्यालय के पास से गुजरने वाले वाहन जब जलभराव से होकर निकलते हैं तो कई बार उसके छींटे नन्हे छात्र-छात्राओं पर गिरते हैं। स्कूल आते-जाते मासूम बच्चे अक्सर भीगते हैं या फिसलकर गिर जाते हैं। यह स्थिति अभिभावकों और विद्यालय प्रशासन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। उक्त मार्ग मुख्यमंत्री शहरी अवसंरचना योजना के अंतर्गत हुडको द्वारा वित्तपोषित तथा अरुण कंस्ट्रक्शन कंपनी, रीवा के माध्यम से लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित किया गया था। मार्ग का निर्माण कार्य पुराने भारतीय स्टेट बैंक शाखा कार्यालय से लेकर पाल बंगला और पुलिस थाना तक किया गया, लेकिन इसके निर्माण के साथ ही तकनीकी खामियां सामने आने लगीं।

मेकल पार्क की ओर बहता पानी

निर्माण के दौरान मार्ग को न तो समतल किया गया और न ही किनारों पर समुचित ढाल बनाई गई, जिससे वर्षा जल की निकासी हो सके। इसका परिणाम यह है कि बारिश का पानी मेकल पार्क की ओर बहता है तथा मार्ग के विभिन्न हिस्सों पर जलभराव हो जाता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप से पुलिस थाना तक जाने वाला दूसरा मार्ग आज भी अधूरा पड़ा है। इस मार्ग के न बनने से यातायात का दबाव मुख्य मार्ग पर बना रहता है, और वर्षा के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

तकनीकी पुनर्मूल्यांकन और शीघ्र समाधान की दरकार

स्थानीय नागरिकों, स्कूल प्रबंधन और तीर्थयात्रियों की मांग है कि इस मार्ग की तकनीकी समीक्षा कर आवश्यक सुधार कार्य तत्काल प्रभाव से किया जाए। पानी निकासी की व्यवस्था, समतलीकरण, और अधूरे मार्ग को पूर्ण कर नागरिकों को राहत पहुंचाई जाए। यह मार्ग न केवल अमरकंटक नगर का प्रमुख संपर्क बिंदु है, बल्कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए भी आवश्यक है। प्रशासन को तत्काल कदम उठाकर इस बुनियादी समस्या का समाधान करना चाहिए।

मातृसत्ता जन्म शताब्दी ज्योति कलश रथयात्रा द्वारा जैतहरी क्षेत्र में जनजागरण

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। अखिल विश्व गायत्री परिवार-जैतहरी के तहसील समन्वयक एवं वारिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त सूत्रों के अनुसार अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सहधर्मिणी परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा एवं शान्तिकुन्ज हरिद्वार में प्रज्ज्वलित अखण्ड ज्योति को वर्ष 2026 में 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर शान्तिकुन्ज हरिद्वार से “मातृसत्ता जन्म शताब्दी ज्योति कलश रथयात्रा“ निकाला गया है। यह रथयात्रा समस्त प्राणी में सुख-समृद्धि, शांति एवं सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के सन्देश को लेकर पूरे विश्व में भ्रमण करते हुए, 20 से 25 जुलाई 2025 तक तहसील-जैतहरी क्षेत्र में भ्रमण किया।

रथयात्रा का प्रतिदिन की भांति दैनिक दिनचर्या अलग-अलग स्थान में प्रातः 7 बजे से स्वागत-आगमन के साथ सामूहिक एक कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, तत्पश्चात अगले स्थान में प्रातः 9 बजे से ग्राम भ्रमण तथा दोपहर 1 से 2 बजे तक वर्तमान ज्वलंत समस्याओं पर विचार गोष्ठी परिचर्चा एवं सायं 4 से स्वागत भ्रमण के साथ दीपमहाज्ञ सम्पन्न होता रहा है। इस दौरान जैतहरी क्षेत्र के समस्त ग्रामों में बैण्ड-बाजे, अक्षत-पुष्प वर्षा के साथ “मातृसत्ता जन्मशताब्दी ज्योति कलश रथयात्रा“ का बड़े हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत-वंदन किया गया। जिसमें जैतहरी नगर सहित ग्राम-सिवनी, गोरसी, चोरभठी, गोधन, पाटन, भेलमा, मुण्डा, वेंकटनगर, पपरौड़ी (खूंटाटोला), चोलना, चोई, लहरपुर, महुदा एवं क्योंटार आदि ग्राम सहित लगभग पचास ग्रामों तक “मातृसत्ता जन्मशताब्दी ज्योति कलश रथयात्रा“ का आगमन एवं स्वागत-वंदन हुआ। इस दौरान हजारों की संख्या में कई ग्रामों सहित नगर पालिका भवन-जैतहरी, कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास-चोरभठी,शा.प्रा.विद्या.गोरसी, वेदमाता गायत्री शिशु विद्या मंदिर-भेलमा, शास.उच्च.माध्य.विद्या. बींड़-कन्या चोलना-धनगवां एवं शा.माध्य.विद्या.-चोई में विचार गोष्ठी सम्पन्न हुआ। जिसमें विद्यालय में उपस्थित छात्र/छात्राओं एवं प्राचार्य सहित समस्त शिक्षकों को सत्संकल्प पाठ-पत्रक बांटकर आज की ज्वलंत सामाजिक समस्याओं एवं गायत्री महामंत्र की शक्ति से उसकी समाधान पर विशेष परिचर्चा किया गया। इस कार्य में क्षेत्र के समस्त समाजसेवी परिजनों, जन-प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा के साथ पीईईए की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज चचाई। 25 जुलाई को पॉवर इंजिनियर्स एवं एम्प्लाइज एसोसिएशन की बैठक भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई के साथ बल्लभ भवन, भोपाल में सम्पन्न हुई। बैठक में पीईईए के महासचिव अजय कुमार मिश्रा द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता एवं उच्च शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों को कनिष्ठ अभियंता के पद पर नियुक्ति दिये जाने के मामले को श्री मंडलोई के समक्ष रखा गया तथा उससे संबंधित साक्ष्य, दास्तावेज, उच्च न्यायालय का निर्णय भी प्रस्तुत किया गया, जिसे शीघ्र अति शीघ्र समाधान करने की बात कही गई। कर्मचारियों के वेतन विसंगति मामले में वर्ष-2018 के पूर्व नियुक्त कर्मचारियों की मूलवेतन 23200 की जगह 25300 से किये जाने के मामले पर भी विस्तृत चर्चा सम्पन्न हुई तथा फीडर कैडर के तहत मंडल द्वारा कम्पनियों में अंतरित कार्मिकों के लिए पदोन्नति हेतु असंवैधानिक तरीके से सीटों को आरक्षित करने तथा कंपनी कैडर के साथ हो रहे अन्याय एवं भेदभाव को माननीय के समक्ष विस्तार पूर्वक रखा गया तथा इससे सम्बंधित साक्ष्य भी प्रस्तुत किये गये, माननीय द्वारा इस मामले पर भी सकारात्मक निर्णय लिए जाने, जिससे कंपनी कैडर के हित सुरक्षित रहे, इस हेतु संगठन को आश्वासित किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा द्वारा उक्त तीनों बिंदुओं को जायज बताते हुए शीघ्र अति शीघ्र समाधान करने हेतु संगठन को आश्वासित किया गया स बैठक में संगठन के उपाध्यक्ष सुबोध सिंह एवं सौरभ तिवारी, संगठन के संयुक्त सचिव राकेश साबले, संगठन के केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अर्चित श्रीवास्तव, संगठन के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत पटेल एवं नितिन सेन उपस्थित थे।

श्री अष्टोत्तर शत महापुराण कथा का होगा भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक में बाबा कल्याण दास जी महाराज के आशीर्वाद और आचार्य स्वामी श्री सच्चिदानंद महाराज की दिव्य प्रेरणा से 27 जुलाई से 2 अगस्त तक श्री अष्टोत्तर शत्रु महापुराण कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह सात दिवसीय दिव्य आयोजन, आध्यात्मिक जागरण, धर्म प्रचार और समाज कल्याण की भावना को समर्पित है। श्री अष्टोत्तर शत्रु महापुराण कथा, एक अत्यंत दुर्लभ एवं गूढ़ पौराणिक ग्रंथ है, जिसमें शत्रु-विनाश, आत्मविजय और धर्म की स्थापना की दिव्य शिक्षाएँ समाहित हैं। कथा के दौरान श्रद्धालुजन आध्यात्मिक आनंद, संत संगति और सत्संग का लाभ प्राप्त करेंगे। परिक्रमा वासियों की सेवाः अमरकंटक की पवित्र नर्मदा परिक्रमा में पधारे श्रद्धालुओं हेतु आश्रम में निःशुल्क आवास एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध है। धार्मिक आयोजनः आश्रम में नियमित रूप से श्रीमद्भागवत कथा, रामकथा, भजन संध्या, यज्ञ आदि कार्यक्रम संपन्न होते रहते हैं। गौ सेवाः आश्रम में संचालित गौशाला में सैकड़ों गौमाताओं की सेवा और संवर्धन किया जाता है। शिक्षा और स्वास्थ्यः ग्रामीण एवं वंचित समुदायों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी आश्रम सतत रूप से योगदान दे रहा है।

लगातार बारिश ने लोगों की बढ़ाई मुसीबत

हरिभूमि न्यूजकोतमा। गुरुवार को दोपहर 3 घंटे तक तेज गरज एवं बारिश होने से पूरा क्षेत्र पानी पानी हो गया। चारों तरफ की सड़कों पर पानी भर गया वहीं कच्चे घरों में पानी जमा होने से दीवाल एवं मकान क्षतिग्रस्त हो गए। वार्ड क्रमांक 7 सुनील बंसल के घर की पुरानी 10 फीट की पलट गई। दीवार पलटने से शीट, प्लास्टिक व बर्तन के नुकसान हुआ है। अनुमानित 30 हजार का नुकसान होना बताया जा रहा है। सूचना पर नगर पालिका एवं वार्ड वासियों द्वारा पहुंच समान निकला गया। दीवार पलटने वाला कमरा रसोई घर था गनीमत से कमरे में कोई नहीं था इसी प्रकार बुढ़ानपुर में रहने वाले सुखदास चौधरी के घर की दीवार भी घर में पानी भरने से ढह गई। सूचना थाना, पंचायत सहित अन्य लोगों को दी गई। शुक्रवार एवं शनिवार को हुई जोरदार बारिश के बाद नगर के कई वार्डो की सड़के सहित पुल, पुलिया पानी मे डूबे रहे। कोतमा के समीप हाइवे रोड किनारे खेतों में भरा पानी रोड ऊपर से गुजरने के कारण घंटों मार्ग अवरुद्ध रहा। वही कई छोटे बड़े वाहन चालक खतरा भरा सफर किए। कल्मुडी अंडरपास के पास निर्मित पुलिया दूसरे दिन भी जल मग्न रही। पुलिस एवं रेलवे टीम द्वारा लगातार

निरीक्षण कर लोगों को पुलिया पार ना करने की समझाइस दे रही। जिसके बाद नगर पालिका द्वारा सुरक्षा को लेकर दोनों तरफ स्टॉपर लगाकर रोक दिया गया। साथ ही कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिया के ऊपर घंटों पानी बहता रहा। पुलिया में रेलिंग ना होने से हमेशा दुर्घटना बनी रहती है। पानी खतरे से ऊपर होने के बाद भी कुछ लोग जान जोखिम में डालकर अंडरपास की पुलिया पार करते रहे। बताया जाता है कि पुलिया में रेलिंग लगाने को लेकर कई बार मांग की गई लेकिन रेलवे प्रबंधन की लापरवाही से नहीं लग सकी जिससे हमेशा दुर्घटना बनी रहती है। शनिवार को भी सुबह में भरा पानी दोपहर तक कम हो सका। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई जगह पुल ऊपर भी पानी होने से डूबे रहे। नगर के वार्ड 7 ठाकुर बाबा धाम मंदिर भी पानी से भरा रहा।

खबर संक्षेप

जाति प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता समाप्त

कटनी। नवोदय विद्यालय समिति के निर्देशानुसार कक्षा 6वीं के लिये जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना अब अनिवार्य नहीं है। जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा के प्राचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं के लिए चयन परीक्षा-2026 हेतु ऑनलाईन आवेदन शुरू है। कक्षा 6वीं के लिए चयन परीक्षा हेतु आवेदन वेबसाईट के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई है।

प्रवर्तक सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी

कटनी। संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएँ जबलपुर ने किसान विपणन सहकारी समिति मर्यादित बड़वारा (पंजीयन क्रमांक 123876) के समिति के पंजीयन प्रकिया को ₹दुर्व्यपदेशन₹ के आधार पर कराया पाये जाने पर संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुये मध्य प्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 18 ए/क (1) के तहत समिति के सभी प्रवर्तक सदस्यों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। समिति के सभी प्रवर्तक सदस्य संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएँ जबलपुर के समक्ष उपस्थित होकर लिखित में, संयुक्त रूप से या अलग-अलग अपना पक्ष समर्थन प्रस्तुत कर सकते हैं। यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि इस सूचना पत्र के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार का पक्ष समर्थन प्राप्त नहीं होता है, तो यह मान लिया जाएगा कि नोटिस में लगाए गए आरोप समिति के सभी सदस्यों को स्वीकार हैं। ऐसी स्थिति में, समिति के विरुद्ध एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

ई-केवाईसी नहीं होने पर सुविधाओं से रहना पड़ सकता है वंचित

कटनी। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगर के समस्त नागरिकों के समग्र आधार ई-केवाईसी का कार्य किया जा रहा है जिसमें लगभग 50 फीसदी नागरिकों द्वारा समग्र आधार ई-के.वाई.सी करवा ली गई है। शासन निर्देशानुसार आगामी माह में शासन द्वारा केवल आधार लिंक्ड समग्र आई डी को ही आधार इनेबल्ड पेमेंट के माध्यम से हितलाभ वितरण किया जाना प्रस्तावित है। भविष्य में स्कूल, कॉलेज में बच्चों के एडमिशन हेतु भी समग्र आई डी में ई-केवाईसी नहीं होने पर आप शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से वंचित हो सकते है। निगमायुक्त नीलेश दुबे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जिन नागरिकों द्वारा अभी तक अपना समग्र आधार ई-के.वाई.सी नहीं करवाया गया है वे अतिशीघ्र अपने नगर निगम से संपर्क कर अथवा एम पी ऑनलाइन के माध्यम से रिक्वेस्ट दर्ज करवा लेवे। आप अपनी सुविधानुसार घर बैठे भी नीचे दी गई लिंक से अपना ई-के.वाई.सी स्वयं भी कर सकते है। समग्र आई डी पर आधार लिंक नहीं होने की स्थिति में समग्र आई डी को डुप्लीकेट समझते हुए डिलीट होने पर आपको असुविधा का सामना करना पड सकता है। अतः कृपया इस कार्य में निगम प्रशासन को आवश्यक सहयोग प्रदान करे।

उपनगरीय क्षेत्र में चला विशेष सफाई अभियान

कटनी। भगवान झूलेलाल का चालीहा व्रत समारोह को दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा उपनगरीय क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

बुढार में पूरे श्रद्धा व आस्थापूर्वक कल निकाली जायेगी कांवड़ यात्रा, शिवजी को अर्पित करेंगे श्रद्धालुगण जल

हरिभूमि न्यूज, बुढार।

श्रावण मास के पुनीत अवसर पर लखेरन टोला बुढार स्थित स्वयं सिद्ध श्री हनुमान मंदिर से श्रद्धालु भक्तों द्वारा भव्य कावड़ यात्रा 28 जुलाई को नगर में निकाली जायेगी

शिव मंदिर पहुंचकर भूत-भावन भोलेनाथ जी को जलाभिषेक कर श्रद्धालु जन आशीर्वाद अर्जित करेंगे। लखेरन टोला बुढार स्थित श्री हनुमान मंदिर से प्रातः 8 बजे पूरे श्रद्धा व उत्साह पूर्वक ग्राम जरवाही स्थित सोन नदी के लिये कावड़ यात्री जल लेकर बाजे-गाजे के साथ वापस लौटेंगे और नगर के सुप्रसिद्ध मां विरासनी मंदिर स्थित भूतभावन भोलेनाथ जी को जल अर्पित करेंगे।

भगवान भोलेनाथ जी के प्रति अटूट आस्था रखने वालों में कावड़ यात्रा को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और सोमवार 28 जुलाई को भव्य कावड़ यात्रा बोल बम-बम, हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुये बुढार नगर के विभिन्न मार्गो में श्रद्धालु जन परंपरागत परिवेश धारण कर कावड़ लेकर निकलेंगे, जिससे समूचा वातावरण श्रद्धामय रहेगा। युवा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता सुभाष तिवारी ने उक्ताशय की जानकारी देते हुये बताया कि - स्वयं सिद्ध श्री हनुमान मंदिर से कावड़ यात्रा ग्राम जरवाही के लिये प्रस्थित होगी और सोन नदी से कावड़ में जल भरकर बाजे-गाजे व जयघोष के साथ कावड़ यात्री बुढार पहुंचकर मां बिरासिनी मंदिर स्थित भोलेनाथ जी, लखेरन टोला स्थित गौरीशंकर मंदिर तथा स्वयं सिद्ध हनुमान मंदिर में भूतभावन भोलेनाथ जी को श्रद्धालु कावड़ियों द्वारा जल चढ़ाया जायेगा। इस पुनीत अवसर पर श्रद्धालु जनों से अधिकाधिक सहभागिता निभाने का सादर आग्रह किया गया है।

राजेंद्रग्राम बेनीबारी मार्ग पर गोपालपुर जा रही बस पलटी, बड़ा हादसा टला

अनूपपुर।

राजेंद्रग्राम से गोपालपुर जा रही यात्री बस लखौरा के पास उस वक्त अनियंत्रित होकर पलट गई जब अचानक उसका स्टेयरिंग फेल हो गया। बस में करीब 12 से 15 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना थाना राजेंद्रग्राम क्षेत्र अंतर्गत लखौरा में घटी। हादसे के बाद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से यात्रियों को बाहर निकाला गया। मौके पर अफरा तफरी का माहौल रहा, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कलेक्टर ने की कार्यों की प्रगति की समीक्षा

शहडोल। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान (पी. एम. जनमन) एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार मे धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने अभियान की प्रगति की समीक्षा के दौरान स्वीकृत आवास, बैगा परिवार का सत्यापन, नल जल कनेक्शन, विद्युत कनेक्शन, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, कुपोषण, सिकल सेल आदि सभी मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अभियान को समय पर पूर्ण करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनन्द, डी.एफ.ओ. सुश्री श्रद्धा पेन्द्रे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य आनन्द राय सिन्हा, डी.पी. सी. अमरनाथ सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एम.पी.सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू वेदमणि मिश्र, महिला एवं बाल विकास अधिकारी अखिलेश मिश्रा, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जयसिंहनगर राजेंद्र तिवारी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बुढ़ार दिलीप निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक ने की ब्लैक लिस्टेड करने की मांग

हाईकोर्ट के निर्णय के बावजूद ठेकेदार कर्मचारियों का नहीं दे रहे एरियर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शहडोल रीजन के अधिकांश वितरण केन्द्रों, अनूपपुर सर्किल के कोतमा एवं बिजुरी डिवीजन सहित अमरकंटक ताप विद्युत गृह के ग्यारह ठेकेदारों ने बॉयलर संचा संधा व कोल हैंडलिंग प्लांट सहित सभी जनरेशन कार्यालयों एवं बिरसिंहपुर जनरेशन में कार्यरत करीब 5 हज़ार बिजली आउटसोर्स ठेका कर्मियों को न्यूनतम वेतन पुनरीक्षण पश्चात बड़े हुए न्यूनतम वेतन की करीब दस करोड़ रुपए की बकाया राशि हाइकोर्ट बेंच इंदौर के आदेश एवं श्रम आयुक्त इंदौर के निर्देश के बाद पांच माह बीतने पर भी नहीं मिली है। कुछ जगह एकमुश्त की जगह आधा अधूरा ही एरियर बंटा है। इस बात से आक्रोशित बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने कमिश्नर, कलेक्टर एवं सहायक श्रम आयुक्त को पत्र लिखकर सभी मानव बल ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उन पर पेनाल्टी लगाने की मांग की है।

केवल खानापूर्ति तक सीमित बिजली कंपनी

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव द्वारा जारी ज्ञापन में कहा गया है कि इस मामले में बिजली कंपनी के इंजीनियर अपने चहेते ठेकेदारों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई कर पेनाल्टी नहीं लगा रहे हैं और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट नहीं कर केवल खानापूर्ति वाले पत्र लिख कर अपने हाथ बचा रहे हैं, जबकि ठेकेदार बजट नहीं होने का बहाना पांच माह से बना रहा है।

श्री भार्गव का कहना है कि यदि ठेकेदार के पास एडवांस में न्यूनतम वेतन व इस रिवाइज हुए मिनिमम वेजेस एरियर देने की धनराशि नहीं थी तो उसने टेंडर की शर्तों को स्वीकार कर यह मानव बल ठेका हासिल ही क्यों किया? पर यदि यह ठेका लिया है तो ठेका टेंडर की लिखित शर्तों का पालन कर ठेकेदारों को पहले एडवांस में अपनी ओर से बकाया एरियर राशि आउटसोर्स कर्मियों को एकमुश्त भुगतान करना चाहिए, फिर इसका क्लेम कर बिल व दस्तावेज देकर बिजली कंपनी से यह राशि प्राप्त करना चाहिए पर ऐसा नहीं कर ठेकेदार हाइकोर्ट के आदेशों की अवमानना व श्रम आयुक्त के निर्देशों की अवहेलना कर ठेका टेंडर शर्तों का सरासर उल्लंघन कर रहे हैं पर दोषी ठेकेदारों के खिलाफ बिजली अधिकारी पेनाल्टी लगाकर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने से कतरा रहे हैं। श्री भार्गव का कहना है कि प्रिंसिपल नियोक्ता बिजली कंपनी है, यदि ठेकेदार बकाया एरियर ग्यारह माह के बोनस अंतर सहित भुगतान नहीं करता है तो बिजली कंपनी को स्वयं अपनी ओर से इस एरियर राशि का भुगतान करना चाहिए। टेंडर की शर्त के अनुसार पहले ठेकेदारों को एरियर राशि स्वयं अपनी ओर से भुगतान करना पड़ती है, फिर इस भुगतान राशि का बिल ठेकेदार बिजली कंपनी को देता है तब जाकर यह प्रक्रिया पूरी होती है। चूंकि इस मामले में एक से दो माह का समय लगता है इसलिए ठेकेदार अपना पैसा एडवांस में नहीं फंसाना चाहता है।

इन्हे इतना मिलेगा एरियर्स

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के मुताबिक प्रत्येक बिजली आउटसोर्स श्रमिक को ग्यारह माह की अवधि का बोनस अंतर सहित कुल एरियर अकुशल श्रमिक को 17085, अर्द्ध कुशल को 18546, कुशल को 22174 एवं उच्च कुशल को 26116 रु. भुगतान किया जाना है जो नहीं किया जा रहा है, यह हाइकोर्ट के आदेशों व श्रम आयुक्त के निर्देशों की अवहेलना है, यह ठेका अनुबंध की शर्तों व बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है एवं मानव अधिकारों का स्पष्टतः हनन है।

इन ठेकेदारों ने रोका भुगतान

वितरण कंपनी अनूपपुर सर्किल में मानव बल ठेकेदार क्रिस्टल कंपनी एवं डीजी नक़रानी ने ग्यारह माह का एरियर नहीं दिया है। इसी प्रकार अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में कोल प्लांट के विनायक इलेक्ट्रिकल्स एंड इंजीनियर्स, शुक्ला एसोसिएट, एम के ट्रेडर्स, असवनी टेक्नोक्रेट्स, एस के ट्रेडर्स, महालक्ष्मी इंजीनियरिंग, ओरिएंटल फैसिलिटी, धीरेन्द्र सिंह कांट्रेक्टर, हैम्स कारपोरेशन ने अब तक जनरेशन चचाई के आउटसोर्स ठेका कर्मियों को ग्यारह माह की बकाया एरियर राशि अब तक भुगतान नहीं की है। यही हाल बिजली सेक्टर में ठेका लेने वाली आल सर्विस ग्लोबल प्रा. लि., जी. ए. डिजिटल वेब वर्ल्ड, मे. ईगल हंटर, टीडीएस मैनेजमेंट, मे. प्राइम वन वर्क फोर्स, क्रिस्टल इन्टरग्रेटेड सर्विस का भी है।

भूतपूर्व सैनिक का हुआ सम्मान, देशभक्ति गीतों व प्रेरक वक्तव्यों से भाव-विभोर हुआ आयोजन

कारगिल विजय दिवस पर विश्वविद्यालय में वीर सपूतों को दी गई श्रद्धांजलि

शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर शुक्रवार को एक गरिमामय व भावपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. रामशंकर ने की। मंच पर कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी, परिसर प्रभारी डॉ. गीता सराफ एवं डॉ. विनोद शर्मा विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए भारत माता के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, प्राध्यापकगण एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. रामशंकर ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कारगिल विजय दिवस सिर्फ एक सैन्य जीत नहीं, बल्कि यह देशभक्ति, शौर्य और बलिदान की अमर गाथा है। आज के युवाओं को इन वीरों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए। डॉ. गीता सराफ ने अपने उद्बोधन में कारगिल युद्ध के बलिदानों को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में भूतपूर्व सैनिक गोपाल कृष्ण तिवारी (नायब सुबेदार, आर्मी एजुकेशन कोर) का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया गया। श्री तिवारी ने कारगिल क्षेत्र में अपने सेवाकाल के अनुभव, वहां की जलवायु और विषम परिस्थितियों, तथा युद्ध के दौरान के दृश्य साझा करते हुए उपस्थित छात्रों को प्रेरित किया। वर्ष 2021 में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हो चुके श्री तिवारी वर्तमान में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग में कार्यरत हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदर्श तिवारी ने किया एवं आभार प्रदर्शन तथा संयोजन का दायित्व डॉ. नीलेश शर्मा (सहायक प्राध्यापक, इतिहास) ने निभाया। इस आयोजन में इतिहास विभाग के डॉ. सुषमा नेताम, डॉ. अंकित सिंह बघेल, डॉ. गोविंद तिवारी और आषुतोष तिवारी का सराहनीय सहयोग रहा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने राष्ट्रभक्ति और सेना के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। उपस्थित छात्रों और शिक्षकों के लिए यह आयोजन एक प्रेरणा और गर्व का क्षण रहा, जिसने सभी को भारत मां के सच्चे सपूतों की वीरता को याद करने का अवसर दिया।

कार्यक्रम की खास बातें

देशभक्ति गीतों की संगीतमय प्रस्तुति
कारगिल वीरगाथा पर प्रेरक भाषण व फिल्म प्रदर्शन
अंत में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि
दीप प्रज्वलन कर अमर बलिदानियों को भावांजलि अर्पित

महिलाओं को आर्थिक समृद्ध बनाने विकसित किए जाएंगे फलोद्यान

सिपरी साफ्टवेयर से होगा स्थल, व पौधों का निर्धारण

शहडोल। महात्मा गांधी नरेगा अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में एक बगिया माँ के नाम 2,0 परियोजना के अन्तर्गत निजी भूमि पर उद्यानिकी पौधारोपण मानसून - सीजन 2025 में स्व सहायता समूह की पात्र महिला हितग्राही को पात्रता का परीक्षण मनरेगा के तहत एनुअल मास्टर सर्कुलर द्वारा निर्धारित मापदण्डो अनुसार किया जायेगा। यह परियोजना छोटे, मध्यम और सीमांत महिला कृषको की भूमि पर उद्यानिकी फसलो के रोपण को प्रोत्साहित करेगी, जिससे उत्पादन और विपणन से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पौधरोपण कार्य 15 अगस्त से 15 सितम्बर के मध्य किया जायेगा। एक बगिया माँ के नाम परियोजना अन्तर्गत आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिला सदस्य जो स्वयं की भूमि पर फलदार पौधारोपण की इच्छुक हो और जिनके पास न्यूनतम 0.5 एकड भूमि हो या भूमि नही होने की दशा में उस महिला के पति/ ससुर की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधारोपण किया जा सकेगा। न्यूनतम 0.5 एकड व अधिकतम 1 एकड भूमि पर ही पौधारोपण के कार्य किए जा सकेंगे।

हितग्राही चयन एक बगिया माँ के नाम एप के माध्यम से किया जायेगा। जिसे मध्य प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम (एमपीएसईडीसी) ने विकसित किया है। इस ऐप पर आजीविका मिशन से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी समग्र आईडी से पंजीयन कराया है। हितग्राही चयन यथासंभव पौधारोपण फलोद्यान कलस्टर के रूप में किया जायेगा। फसल नुकसान की भरपाई और पौधों की देखरेख के लिए सरकार शुरुआती 3 साल तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी उसके बाद महिलाएं फलोद्यान से अपनी आय का सृजन करेंगी।

सिपरी साफ्टवेयर से होगा भूमि का परीक्षण

एक बगिया माँ के नाम एप के माध्यम से चयनित हितग्राही की भूमि का परीक्षण सिपरी साफ्टवेयर के माध्यम से किये जाने का प्रावधान किया गया है। सिपरी साफ्टवेयर द्वारा पौधारोपण हेतु उपयुक्त दर्शित भूमि पर ही इस परियोजना के अन्तर्गत कार्य स्वीकृति किये जा सकेंगे। यदि साफ्टवेयर द्वारा स्थल को पौधारोपण हेतु उपयुक्त नहीं बताया गया हो तो उस स्थल पर कार्य स्वीकृत नहीं किए जाऐंगे। साथ ही पौधरोपण स्थल के पास विश्वसनीय स्थाई स्रोत नदी, नाला, कुंआ, तालाब, ट्यूबवेल आदि उपलब्ध हो जिनमे 12 महीने पानी उपलब्ध हो, का निरीक्षण अनिवार्य किया गया है।

पौधों की सिंचाई के लिए जलकुण्ड का प्रावधान

वर्ष भर पौधो की सिंचाई हेतु एक 50 हजार लीटर के जलकुण्ड का प्रावधान किया गया है। जलकुण्ड का आकार 5&5&2 मीटर होगा /जिसमे पानी को संरक्षित करने के लिए एचडीपीई 500 माइक्रो पालिथीन का प्रयोग किया जायेगा / परन्तु यदि हितग्राही की भूमि पर सिंचाई हेतु पर्याप्त व्यवस्था है तो जलकुण्ड बनाया जाना आवश्यक नहीं होगा। जलकुण्ड के अतिरिक्त परियोजना अन्तर्गत फलदार पौधों की सिंचाई हेतु ड्रिप एरीगेशन, स्प्रिंकलर सिस्टम, मटका पद्धति इत्यादि व्यवस्था पर होने वाला समस्त व्यय स्वयं हितग्राही को वहन करना होगा।

हितग्राही प्रशिक्षण, अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण

एक बगिया माँ के नाम अन्तर्गत फलदार पौधारोपण कार्य के लिए हितग्राहियो का प्रशिक्षण तथा परियोजना अन्तर्गत कार्य का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण प्रावधानित किया गया है। इस कार्य हेतु ग्राम,जनपद व जिला स्तर पर योजना के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित किए गए हैं। आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की पंजीकृत महिलाओं को कलस्टर स्तरीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। एक बगिया माँ के नाम अन्तर्गत पौधारोपण के उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य शासन द्वारा जिला, जनपद व ग्राम पंचायतो के लिए पुरूस्कार राशि का प्रावधान किया गया है।

विद्युत उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करने जारी एडवायजरी

शहडोल। विद्युत लाईन एवं ट्रान्सफार्मर उपभोक्ताओं को विद्युत उपलब्ध कराने के लिये लगाये गये हैं, जिनसे उचित दूरी बनाये रखना आवश्यक है। जरा सी असावधानी दुर्घटना का कारण बन सकती है। वर्षा ऋतु के दौरान मौसम में नमी होने के कारण लीकेज करंट की संभावनायें बढ़ जाती है। इस हेतु कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग जन्मेजय सिंह ने जिले की आमजनमानस से अपील है कि विद्युत लाइनों-ट्रान्सफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़?छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनाये रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे-तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जबरदस्ती जमीन पर पड़े तारों को पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों-दुकानों जिसमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पी.वी.सी. पाईप के द्वारा ही कराया जाये। किसी प्रकार की कटी- फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे-स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें। सावधानी बरते क्योंकि बारिश के दौरान करंट लीकेज की संभावनाएँ बढ़ जाती है। बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें। अपने मवेशी बिजली के खम्बे, स्टे वायर इत्यादि से न बांधे। कपडे सुखाने के लिये लोहे का तार अथवा रस्सी सर्विस लाईन के पाईप या बिजली के खम्बों से कभी न बांधे। इसमें करंट उतरने की संभावना बनी रहती है। घर की दीवार, उपकरण, नल आदि में लीकेज करंट आने पर प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से तत्काल ठीक करायें। खेतों में लोहे के कटीले तारों की फेंसिंग को आपस में शॉर्ट कर कई स्थानों पर अर्थिंग करायें। इन तारों में असावधानीवश करंट आने की संभावना बनी रहती है। इससे जान-माल को खतरा रहता है। घरेलु विद्युत उपकरणों, वायरिंग, स्वीच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित एवं अनुभवी इलेक्ट्रीशियन की सेवाए लें। आपका जीवन अमूल्य है। बिजली के स्विच/सर्किट/बिजली उपकरण बच्चों की पहुँच से दूर रखें। विद्युत पोल से ही कनेक्शन लें, बीच तारों में कटिया डालकर विद्युत उपयोग न करें। शादी, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में अतिरिक्त भार के लिये अस्थायी कनेक्शन लें तथा उचित क्षमता की उच्च गुणवत्ता की केबल का ही उपयोग करें। कटे-फटे तारों का उपयोग कतई ना करें। स्वीकृत भार से अधिक का लोड का उपयोग न करें। उचित क्षमता के एम.सी.सी.बी./कट-आउट का ही उपयोग करें। वर्ष में 1 बार अपने परिसर की वायरिंग, फिटिंग, अर्थिंग अनुभवी एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से अवश्य चौक करायें। विद्युत लाईन के नीचे अलाव, होली न जलाएं, ईट भट्टा न लगाएँ। विद्युत लाईन के नीचे कोई स्थाई या अस्थाई निर्माण न करें। फसल इत्यादि का संग्रहण न करें। किसान खेतों में कटाई एवं गहाई की जा रही फसलों को बिजली के तारों के नीचे, बिजली के खम्बों एवं स्थापित ट्रान्सफार्मरों/स्टे तारों के पास एकत्रित न करें। खेतों में विद्युत उपभोग के लिये कटी-फटी डोरी का उपयोग न करें। डोरी का उचित उँचाई की बल्ली से ही उपयोग करें।

खबर संक्षेप

उफनते पुल-पुलिया पार न करने विधायक ने की अपील

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार तीन दिन से हो रही भारी बारिश के चलते पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र का कई स्थानो से संपर्क टूट गया है नदी नाले सभी उफान पर हैं। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिह मार्को ने आम नागरिकों एवं जन मानस से अपील की है कि पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार 3 दिन से हो रही भारी बारिश के चलते नदी नाले सभी उफान पर हैं।उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति छात्र-छात्राएं कोई भी वाहन चालक रपटे या पुल-पुलिया पर बाढ़ का पानी हो तो पार न करें। उन्होंने कहा कि अपनी जान माल की रक्षा स्वयं करें, पानी पूरी तरह से उतर जाए उसके बाद ही अपने गंतव्य की ओर जाएं। उन्होंने कहा कि लगातार उन्हें सभी क्षेत्रों से बारिश होने की सूचनाएं मिल रही हैं।उन्होंने कहा है कि यदि आवागमन के दौरान सड़क पर या किसी पुल- पुलिया में बाढ़ का पानी तेजी से आ रहा हो तो नागरिक उसमें आने-जाने से जोखिम पूर्ण यात्रा करने से अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया गया है कि किसी भी क्षेत्र में वर्षा के चलते नागरिकों को परेशानी न आने पाए। ऐसे नाले, रपटे, छोटे-बड़े पुल-पुलिया जहां बारिश का जल तेजी से बढ़ता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां पर भी सुरक्षा की अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं। वर्षा के चलते किसी भी प्रकार के जान-माल की नुकसानी न होने पाए,हम सबका यही प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने आवागमन के समय, जहां कहीं भी बारिश का पानी बढ़ रहा है या बाढ़ का पानी आ रहा है, अगर पानी तेजी से बढ़ता दिख रहा है, तो वहां आने-जाने से बचें, क्योंकि यह बेहद जोखिम भरा हो सकता है।

29 जुलाई को मनाई जायेगी नाग पंचमी

अनूपपुर। नाग पंचमी का त्योहार हर वर्ष सावन के माह में मनाया जाता है। नाग पंचमी का त्यौहार 29 जुलाई को मनाया जायेगा। नाग पंचमी का त्योहार श्रावण माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प दोष और सर्पदंश के भय से मुक्ति मिलती है। हिंदू धर्म में मान्यता रखने वाले लोग इस दिन नाग देवता को स्नान करवाते हैं और उन्हें दूध पिलाते हैं। जुलाई के महीने में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर कई लोगों के मन में संशय है।

कब मनाई जाएगी नाग पंचमी

कोतमा के पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि नाग पंचमी का त्योहार श्रावण माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर कई लोगों के मन में संशय है। नाग पंचमी पूजा श्रावण शुक्ल पंचमी को की जाती है। पंचमी तिथि का आरंभ 28 जुलाई की रात्रि 11 बजकर 24 मिनट से होगा। वहीं 30 जुलाई को रात्रि 12 बजकर 46 मिनट पर पंचमी तिथि समाप्त होगी। यानि उदयातिथि में पंचमी 29 जुलाई को रहेगी। इसलिए 29 जुलाई को ही नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही भय, रोग और जीवन में आने वाली बाधाएं भी नाग देवता की पूजा से दूर होते हैं। नाग देवता को आध्यात्मिकता से भी जोड़कर देखा जाता है इसलिए अध्यात्म के क्षेत्र में भी नाग देवता की पूजा से उन्नति मिलती है।

उच्च न्यायालय के आदेश की धज्जियां उड़ाने पर अमादा पक्षीराज बस

नियमों को ताक पर रख महामाया ट्रेवल्स छात्रों की जिंदगी से कर रहा खिलवाड़

जिम्मेदारों की भी मिलीभगत, बड़े हादसे के इंतजार में जिला प्रशासन

शासकीय मॉडल सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुष्पराजगढ़ में अध्यनरत विद्यार्थियों के विद्यालय आवागमन की सुविधा की दृष्टि गत नि:शुल्क बस परिवहन सेवा में लगी महामाया ट्रेवल्स पक्षीराज बस सर्विस शहडोल के द्वारा अधिकारियों से आपसी साठ गांठ कर अपने नाम टेण्डर पास कराकर नि: शुल्क बस परिवहन सेवा के नाम छात्र छात्राओं के साथ नई बस की जगह पुरानी घिसी पिटी बसों को डेंटिंग पेंटिंग कराकर संचालित कर रहा है

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घटने की आशंका है और परिवहन विभाग सहित जिला प्रशासन बस आपरेटर के खिलाफ कुछ भी कार्यवाही कर पाने से गुरेज कर जिला प्रशासन बस आपरेटर के आगे नतमस्तक है।

क्या जिला प्रशासन हादसे का कर रहा इंतजार

5 जनवरी 2018 को दिल्ली पब्लिक स्कूल निपानिया में एक सड़क हादसा हुआ था उक्त हादसे में बस बायपास पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में चार विद्यार्थियों और बस ड्राइवर की जान चली गई थी तो कही जिला प्रशासन उक्त घटना की पुनावृत्ति का इंतजार तो नहीं कर रहा हादसे के बाद अभिभावकों द्वारा हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी जिसमे हाई कोर्ट ने उक्त पूरे मामले को संज्ञान में लेकर 12 वर्ष पुरानी बसो के संबंध में गाइडलाइन जारी कर किसी भी स्थिति में 12 वर्ष पुरानी बसें स्कूल में ना लगाने की शख्त हिदायत दी गई थी, परन्तु शासकीय मॉडल सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुष्पराजगढ़ में नई बसो के नाम टेंडर लेकर उक्त बस संचालक पुरानी 2012-13 की 12 वर्ष पुरानी बसे जिनकी हालत बहुत ही खस्ता है जिन्हें महामाया (पक्षीराज) ट्रेवल्स द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से बच्चों की जान जोखिम में डाल कर उक्त पुरानी बसो को रंग रोहन कराकर बेखौफ सड़को पर

हरिभूमि
Page 4
18 July 2025

'बस के अंदर छाता' लगाकर अपने आपको बारिश से बचाने नौनिहाल छात्रों की मजबूरी

दौड़ाकर हाई कोर्ट के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ा कर नियम कायदों को ठेंगा दिखा रहा है। लगातार समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर को प्रशासन अनदेखी कर बस आपरेटर को अभयदान दिया जा रहा है।

हाईकोर्ट के गाइडलाइन को दे रहा चुनौती

मध्य प्रदेश के इंदौर हाईकोर्ट में 07 वर्ष पूर्व डीपीएस में हुये हादसे के बाद दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए इंदौर हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने स्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला सुनाया था कोर्ट ने राज्य सरकार को 25 बिंदुओं पर अमल करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों का मकसद स्कूल बसों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना था। जिसमे स्कूलों में लगी सभी बसो का सार्टिफिकेट होना जरूरी बताया इसके साथ ही बस का फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और टैक्स के भुगतान का प्रमाण पत्र होना चाहिए। एवं कोर्ट ने फैसला सुनाते हुये शख्त निर्देश दिए गये थे की किसी भी विद्यालय में लगी कोई भी स्कूल बस 12 साल से ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए।

यह है स्कूल बस संचालन के नियम

स्कूल बसों के लिए कुछ खास नियम बनाए गए हैं। स्कूल बस का रंग पीला होना चाहिए, उस पर स्कूल बस या ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना ज़रूरी है। बस के आगे और पीछे स्कूल का नाम, पता और वाहन प्रभारी का मोबाइल नंबर 09 इंच के बोर्ड पर लिखा होना चाहिए। खिड़कियों पर जालीदार ग्रिल होनी चाहिए। शीशों पर रंगीन फिल्म या पर्दे नहीं लगाए जा सकेंगे। बस ड्राइवर के पास कम से कम 05 साल का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। स्कूल को शपथ पत्र देना होगा कि बस खतरनाक तरीके से नहीं चलाई जाएगी। बस में स्पीड गवर्नर लगा होना ज़रूरी है। स्कूल-कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में चलने वाले वाहनों में व्हीकल ट्रैकिंग डिवाइस, कैमरे तथा पैनिक बटन लगाने होंगे। अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड किट भी अनिवार्य रखना होंगे। अगर कोई बस संचालक उक्त नियमों का पालन नहीं करता तो उस पर जुर्माना लगाकर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है।

इनका कहना है

शासन की जो गाइडलाइन थी उसमें जिला शिक्षा अधिकारी को अनुबंध करना था। जिला शिक्षा कार्यालय में एक कमेटी बनी है वही तय करेंगी की गाड़ी पुरानी लगाना है या नई।

उमेश धुर्वे, संयुक्त संचालक
लोक शिक्षण संस्थान शहडोल

बसो का अनुबंध संबंधित विद्यालय के प्राचार्य एवं विभाग के द्वारा कराया गया है एवं उक्त बसो का टेंडर राज्य शासन से हुआ है इसके अलावा मैं फाइल देखकर बता पाऊंगा।

तुला राम आर्मो
जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर

विद्यालय में लगी पुरानी बसों की शिकायत पर बस मालिक को नई बस लगाने के लिये निर्देशित कर दिया हूं और 12 वर्ष पुरानी बसें ना लगाने संबधी हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन मिल चुका है।

सुरेंद्र सिंह गौतम
परिवहन अधिकारी अनूपपुर

विद्यालय में लगी बसें बहुत पुरानी है जगह जगह से बस की छत टपक रही है। मेरे द्वारा उक्त बसो को बदलने संयुक्त संचालक एवं परिवहन विभाग को पत्राचार कर दिया गया है।

आरपी सिंह, प्राचार्य
शा. मॉडल संदीपनी विद्यालय पुष्पराजगढ़

मेरे द्वारा मानपुर मऊ एवं पुष्पराजगढ़ में जो भी बसें लगाई गई है उन सभी वाहनों को परिवहन अधिकारी द्वारा पास किया गया है। सभी वाहन फिट है जो ज्यादा खराब होगी उन बसो की मरम्मत करवा दूंगा।

रूपचंद मंगलानी
बस आपरेटर शहडोल

अनीता मंडपम में किया गया असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण

रुद्राभिषेक के साथ भंडारे का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दद्दा शिष्य परिवार द्वारा 26 जुलाई को जिला मुख्यालय स्थित अनीता मंडपम में असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक के साथ भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें काफी संख्या में नगर के श्रद्धालु जन प्रातः से ही पहुंच कर असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एडवोकेट की उपस्थिति में कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। काफी संख्या में महिलाएं पहुंची और उन्होंने शिवलिंग का निर्माण किया। इस अवसर पर भजन मंडली द्वारा भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका सभी ने रसास्वादन किया। श्रावण माह के महत्व को देखते हुए दद्दा शिष्य परिवार द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण के तत्पश्चात महा रुद्राभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें सभी ने भाग लिया।उसके बाद आरती एवं भोजन प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एड.ने बताया कि गृहस्थ संत स्वर्गीय पंडित देव प्रभाकर शास्त्री उर्फ दद्दा जी के पुत्र का तीन दिवसीय कार्यक्रम शीघ्र ही अनूपपुर के लिए बन रहा है। उनकी उपस्थिति में असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्यक्रम फिर से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सभी धर्म प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी लोगों की उपस्थिति में असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण संपन्न हो सका। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन अनूपपुर में फिर से किया जाएगा जिसमें सभी से सहयोग की अपेक्षा है।

घरेलू विवाद पर कलयुगी पुत्र ने ली मां की जान

गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट कर तोड़ा दांत

हत्या प्रकरण में आरोपी पुत्र को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 25 जुलाई शुक्रवार को शाम करीब 6.30 बजे ग्राम जमुड़ी निवासी नरेन्द्र कोल के द्वारा डायल 100 सर्विस में फोन कर जानकारी दी कि उसकी नानी श्रीमती नान बाई कोल के साथ उनके बेटे श्यामलाल कोल के द्वारा लकड़ी के पटिया से मारपीट कर हत्या कर दी गई है और पत्नी के साथ भी मारपीट की गई है। डायल 100 पुलिस कन्ट्रोल रूम, अनूपपुर द्वारा सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा तत्काल एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, टी.आई. कोतवाली एवं पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया जहां ग्राम जमुड़ी के खेरवारटोला में घर की परछी पर नानबाई कोल का खून से लथफथ शव फर्श पर चित अवस्था में पाया गया और समीप ही पुत्र श्यामलाल कोल भी बैठा पाया गया। पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर से घायल गर्भवती पत्नी सरोज कोल को ईलाज हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर रवाना किया गया। बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, एफ.एस.एल. मोबाइल यूनिट, शहडोल प्रदीप सिहं के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया जाकर साक्ष्य संकलन हेतु निर्देश दिये गये। मौके पर ही पुलिस टीम द्वारा पुत्र श्यामलाल कोल के द्वारा अपनी मां नानबाई कोल की हत्या का प्रकरण जीरो पर कायम कर आरोपी श्यामलाल कोल से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का रक्त रंजित पटिया सहित आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। आरोपी श्यामलाल कोल के विरुद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 372/25 धारा 103(1) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया है। प्रारंभिक विवेचना में पुलिस को मृतिका के परिजनों एवं आसपास रहने वालों द्वारा बताया गया कि आरोपी पुत्र श्यामलाल कोल महाराष्ट्र में रहकर मजदूरी करता था और करीब 05 दिन पहले ही गांव घर लौटकर आया है, जो आये दिन अपनी पत्नी और मां से घरेलू विवाद झगड़ा किया करता था, शुक्रवार की शाम करीब 5:00 बजे आरोपी श्यामलाल कोल द्वारा अपनी गर्भवती पत्नी के साथ झगड़ा कर मारपीट की जा रही थी जो मां नानबाई कोल के द्वारा बीच बचाव करने पर बहुत अधिक आवेश और गुस्से में श्यामलाल कोल ने मां के साथ पटिया से इतनी बार मारपीट की गई कि मौके पर ही मां की मृत्यु हो गई और गंभीर स्थिति में घायल पत्नी सरीज कोल को ईलाज हेतु बिरसा मुण्डा मेडिकल कालेज, शहडोल में भर्ती कराया गया है। मौके पर से पुलिस ने मारपीट से घायल पत्नी सरोज कोल के टूटे हुए दांत फर्श पर पड़े एवं अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जप्त किए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी श्याम लाल कोल का पुलिस रिमांड लिया जाकर अन्य साक्ष्य संकलन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री ने किया मां नर्मदा का दर्शन पूजन

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में 27 जुलाई को छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने मां नर्मदा उद्गम स्थल और मंदिर में सायं 4 बजे श्रद्धाभाव से दर्शन, पूजन व अर्चन किया। उन्होंने विधि-विधान से मां नर्मदा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व मंगल की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री के साथ कवर्धा से आए कांवड़ियों का दल, समर्थक, भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं पुष्पराजगढ़ के एसडीएम सुधाकर सिंह बघेल भी इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित रहे। पूजन के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्थानीय मृत्युञ्जय आश्रम पहुंचकर श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों के लिए बनाए गए आवास एवं भोजन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मां नर्मदा मंदिर परिसर में पूजन कार्यक्रम का विधिवत संचालन पुजारी उमेश द्विवेदी, बंटी द्विवेदी, सुनील द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी एवं रूपेश द्विवेदी ने मंत्रोच्चारण, आरती व जलाभिषेक के साथ संपन्न कराया। पूजन उपरांत उपमुख्यमंत्री जालेश्वर धाम के लिए रवाना हुए।

आरोप-प्रत्यारोप के बीच जिला प्रशासन ने दी आर्थिक सहायता हाथियों के डर से भयभीत ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर

चार सदस्यीय हाथियों ने एक की ली जान तो बालक हुआ घायल

जिला प्रशासन से तत्काल ठोस कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चार हाथियों का समूह विगत चार दिनों से जैतहरी इलाके के चोलना बीट के चोई गांव से लगे जंगल में दिन के समय विश्राम करने बाद देर शाम एवं रात होने पर ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों में पहुंचकर तोड़फोड़ कर,खेतों में लगी विभिन्न तरह के फसलो को अपना आहार बना रहे हैं। 25 जुलाई की सुबह ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के खेरवाटोला में कई गांव, मोहल्ला में विचरण करने के बाद मोहल्ला मे पहुंच कर एक खेत मे विचरण कर रहे हाथी को देखने के लिए खेरवाटोला निवासी 42 वर्षीय रामपाल राठौर पिता बंशीलाल राठौर अपने कच्चे घर के छानी में चढ़कर हाथियों को देखते हुए नीचे उतरने के दौरान फिसलकर गिरने से सिर में चोट आने पर तथा उपचार दौरान जिला चिकित्सालय अनूपपुर में मृत्यु हो गई, वनविभाग के द्वारा सूचना पर स्थल का निरीक्षण कर यह बात कही वही परिजनों एवं ग्रामीणों ने रामपाल पिता बंशीलाल राठौर की हाथी के द्वारा सूंड से पड़कर पटकने के कारण घायल होने पर उपचार दौरान मौत होने की बात करते हुए कार्यवाही की मांग कर राहत राशि दिये जाने की बात अनूपपुर एसडीओपी सुमित केरकेट्टा, जैतहरी थाना प्रभारी अमर वर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह, वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा के समक्ष रखी जिस पर दिन भर चली चर्चा के बाद अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

इस दौरान 24 जुलाई की शाम को चोई ग्राम के पडमनियाटोला में चोई के जंगल से निकल कर अचानक आए हाथियों से ग्रामीणों में मची भगदड़ से एक तीन माह का बालक विष्णु भरिया पिता तुलाराम भरिया जिसे एक बच्ची गोद में लेकर तेजी से चल रही थी जिसके गिर जाने से पैर में चोट आई जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर उपचार कराया जा रहा है।

हाथियों का समूह जिस तेजी से बुढार से अनूपपुर से जैतहरी इलाके में पहुंचा तो सभी को लगा कि यह हाथियों का समूह जल्दी ही आगे की ओर बढ़कर छत्तीसगढ़ राज्य पहुंच जाएंगे लेकिन हाथी अभी छत्तीसगढ़ की ओर जाने का मन नहीं बना रहे है। गुरुवार एवं शुक्रवार की रात हाथियों के द्वारा चोई एवं पड़रिया गांव में फरसू यादव, छोकू के घरों में तोड़फोड़ करने के साथ 20 से 22 ग्रामीणो के खेत एवं बांडियों में लगे धान एवं अन्य तरह की फसलों को रात भर खाते हुए शुक्रवार की सुबह फिर से चोलना बीट के जंगल जो चोई गांव से लगा हुआ है में पहुंचकर दिन में ठहरते रात होते ही चोई के पडमनिया टोला, वन चौकी टोला से धनगवां के पिपरहाटोला, पड़रिया पंचायत के चिकनीटोला, लेगराटोला, कनईटोला में विचरण करते हुए 4 ग्रामीणो पूरन राठौर, लाला नापित, रामदीन सिंह, मन्नू सिंह के घरों में तोड़फोड़ करते हुए घर के अंदर रखे अनाजों को खाया। इस दौरान हाथियों के द्वारा पूरन राठौर के साथ एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाते बनाया। ग्रामीण हाथियों के द्वारा रात होते ही निरंतर घरों एवं खेतों में लगी फसलों को खाने अचानक टोला, मोहल्ला में पहुंच जाने पर हाथियों के डर से परेशान एवं भयभीत है जो रात-रात भर स्वयं एवं अपने परिवारों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रात-रात भर जाग कर एक दूसरे से संपर्क बनाए रखते हुए अपने साथ परिवार के सदस्यों की सुरक्षा करने में परेशान दिखाई देते हैं।